सामाजिक विज्ञान

कक्षा 8

(इतिहास)

Chapter 6: देशी जनता को सभ्य बनाना

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1. निम्नलिखित के जोड़े बनाएँ-

विलियम जोन्स	**अंग्रेजी शिक्षा को प्रोत्साहन**
रवीन्द्रनाथ टैगोर	**प्राचीन संस्कृतियों का सम्मान**
टॉमस मैकॉले	**गुरु**
महात्मा गांधी	**प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा**
पाठशालाएँ	**अंग्रेजी शिक्षा के विरुद्ध**

उत्तर:-

विलियम जोन्स	प्राचीन संस्कृतियों का सम्मान
रवीन्द्रनाथ टैगोर	गुरु
टॉमस मैकॉले	अंग्रेजी शिक्षा को प्रोत्साहन
महात्मा गांधी	अंग्रेजी शिक्षा के विरुद्ध
पाठशालाएँ	प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से सही या गलत बताएँ-

(क) **जेम्स मिल प्राच्यवादियों के घोर आलोचक थे।**

(ख) **1854 के शिक्षा संबंधी डिस्पैच में इस बात पर जोर दिया गया था कि भारत में उच्च शिक्षा का माध्यम अंग्रेज़ी होना चाहिए।**

(ग) **महात्मा गांधी मानते थे कि साक्षरता बढ़ाना ही शिक्षा का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है।**

(घ) **रवीन्द्रनाथ टैगोर को लगता था कि बच्चों पर सख्त अनुशासन होना चाहिए।**

उत्तर:

(क) सही
(ख) सही
(ग) गलत
(घ) गलत

आइए विचार करें

प्रश्न 3. विलियम जोन्स को भारतीय इतिहास, दर्शन और कानून का अध्ययन क्यों जरूरी दिखाई देता था?

उत्तर:

1. विलियम जोन्स प्राचीन संस्कृतियों के प्रति गहरा आदर भाव रखते थे।
2. उनका मानना था कि भारतीय सभ्यता प्राचीन काल में अपने वैभव के शिखर पर थी परंतु बाद में उसका पतन होता चला गया।
3. उनकी राय में, भारत को समझने के लिए प्राचीन काल में लिखे गए पवित्र और कानूनी ग्रंथों को खोजना व समझना बहुत ज़रूरी था।
4. उनका मानना था कि हिंदुओं और मुसलमानों के असली विचारों व कानूनों को इन्हीं रचनाओं के ज़रिए समझा जा सकता है
5. और इन रचनाओं के पुनः अध्ययन से ही भारत के भावी विकास का आधार पैदा हो सकता है।

प्रश्न 4. जेम्स मिल और टॉमस मैकॉले ऐसा क्यों सोचते थे कि भारत में यूरोपीय शिक्षा अनिवार्य है?

MUKUTclasses

उत्तर: जेम्स मिल और टॉमस मैकाले भारत में यूरोपीय शिक्षा को अनिवार्य मानते थे। इसके निम्न कारण थे:

1. उनकी राय में शिक्षा के जरिए उपयोगी और व्यावहारिक चीजों का ज्ञान दिया जाना चाहिए।
2. उनके अनुसार भारत में वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए।
3. मैकाले का मानना था कि अंग्रेजी के ज्ञान से भारतीयों को दुनिया की श्रेष्ठतम साहित्य पढ़ने का मौका मिलेगा।
4. यहां के लोग विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में हुए विकास से अवगत हो पाएंगे।

प्रश्न 5. महात्मा गांधी बच्चों को हस्तकलाएँ क्यों सीखाना चाहते थे?

उत्तर:

1. गांधी जी का तर्क था कि शिक्षा से व्यक्ति का दिमाग और आत्मा विकसित होनी चाहिए।
2. उनकी राय में केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता पा लेना ही शिक्षा नहीं होती है।
3. इसके लिए तो लोगों को हाथ से काम करना पड़ता है, हुनर सीखने पड़ते हैं।
4. यह जानना पड़ता है कि विभिन्न चींजे किस तरह काम करती हैं।
5. इससे उनका मस्तिष्क और समझने की क्षमता, दोनों विकसित होते हैं।

प्रश्न 6. महात्मा गांधी ऐसा क्यों सोचते थे कि अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीयों को गुलाम बना लिया है?

उत्तर:

1. महात्मा गांधी का कहना था कि औपनिवेशिक शिक्षा ने भारतीयों के मस्तिष्क में हीनता का बोध पैदा कर दिया है।
2. इसके प्रभाव में आकर यहाँ के लोग पश्चिमी सभ्यता को श्रेष्ठतर मानने लगे हैं और अपनी संस्कृति के प्रति उनका गौरव भाव नष्ट हो गया है।
3. महात्मा गांधी ने कहा कि इस शिक्षा में विष भरा है, यह पापपूर्ण है, इसने भारतीयों को दास बना दिया है, इसने लोगों पर प्रभाव डाला है।
4. उनके मुताबिक, पश्चिम से अभिभूत, पश्चिम से आने वाली हर चीज़ की प्रशंसा करने वाले, इन संस्थानों में पढ़ने वाले भारतीय ब्रिटिश शासन को पसंद करने लगे थे।
5. महात्मा गांधी एक ऐसी शिक्षा के पक्षधर थे जो भारतीयों के भीतर प्रतिष्ठा और स्वाभिमान का भाव पुनर्जीवित करे।

आइए करके देखें

प्रश्न 7. अपने घर के बुज़ुर्गों से पता करें कि स्कूल में उन्होंने कौन-कौन सी चीजें पढ़ी थीं?

उत्तर: छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 8. अपने स्कूल या आसपास के किसी अन्य स्कूल के इतिहास का पता लगाएँ।

उत्तर: छात्र स्वयं करें।

MUKUTclasses